लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 21:11:2019 पृष्ठ सं 18 कॉलम 1-4

डिजिटल प्लेटफार्म से जोखिम कम कर आमदनी बढ़ा सकते हैं किसान : प्रो. सिंह

एचएयू में सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर संगोष्ठी शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी भारतीय विस्तार शिक्षा समिति नई दिल्ली, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा (उत्तर प्रदेश) के संयुक्त तत्वाधान में एचएयू के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे, जबकि बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा (उत्तर प्रदेश) के कुलपति एवं अध्यक्ष, भारतीय विस्तार शिक्षा समिति, नई दिल्ली डा. यूएस गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। इस अवसर पर न्यूजीलैंड के मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल, आइएसईई, के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डा. जी. ईश्वरप्पा, आइएसईई, के सचिव, डा. बीके सिंह, एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्व डीडीजी, डा. सी प्रसाद, मंच पर उपस्थित थे। प्रो. केपी सिंह ने आए हुए मेहमानों का कुछ इस अन्दाज में अभिनन्दन किया 'वो आए हमारे दर पर खुदा की रहमत है, कभी हम उनको कभी वो हमको देखते हैं'। डिजिटल टेक्नोलॉजी के महत्ता के बारे में बताते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि वर्तमान में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के नए प्लेटफार्म विकसित हुए हैं जिसमें जीआइएस, रिमोट सेंसिंग, एक्सपर्ट सिस्टम, नॉलेज पोर्टल्स, ई-मार्केटिंग पोर्टल्स आदि मुख्य हैं। इससे सूचना प्रसार और संदेशों को किसानों की नई पीढ़ी तक पहुंचाने से कृषि क्षेत्रों में एक क्रांति पैदा की है। वर्तमान में किसान विभिन्न फसल प्रणाली आधारित एप्स से जुड़कर अपने मोबाइल पर अपनी कृषि संबधी एवं कृषि उत्पाद के विपणन संबधी समस्याओं का समाधान ले सकते हैं व अपने जोखिम को घटाने के साथ-साथ अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

एचएयू में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मानित हुए वैज्ञानिकों के साथ प्रो. केपी सिंह। • विज्ञप्ति

500 कृषि एक्सपर्ट तीन दिन करेंगे मंथन

संगोष्ठी के अध्यक्ष, डा. यूएस गौतम ने बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 कृषि विस्तार विशेषज्ञ, कृषि वैज्ञानिक, व शोध छात्र बारह थीम पर मंथन करेंगे, जिसमें मुख्यत: डिजिटल रणनीति और सतत कृषि विकास के लिए दृष्टिकोण, विस्तार अनुसंधान और नीति में नवाचार, कृषक समुदाय की क्षमता निर्माण में प्रगति, सीबीओ के माध्यम से ग्रामीण समुदाय का सशक्तीकरण, माध्यमिक कृषि के लिए डिजिटल दृष्टिकोण, प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और प्रसार के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण, आर्थिक समृद्धि के लिए अभिसरण मॉडल, कृषि में उद्यमिता विकास के लिए रणनीतियां, जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए तकनीकी हस्तक्षेप, ग्रामीण समुदायों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पहल आदि मुद्दे होंगे।

श्रेष्ठ कृषि वैज्ञानिकों को किया सम्मानित

कृषि विस्तार क्षेत्र में काम करने वाले श्रेष्ठ कृषि वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया, जिनमें पूर्व सलाहकार, जीओआइ, डा. ओएस वर्मा, पूर्व सलाहकार कृषि योजना कमीशन डा. वीवी सदामाटे, पूर्व निदेशक अटारी, लुधियाना, डा. प्रभु कुमार, निदेशक अटारी पटना एवं कोषाध्यक्ष आइएसईई, डा. अंजनी कुमार, उप-प्रधान, आइएसईई, डा. केएल ढांगी, पूर्व कुलपति, एसबीपीयुएटी, मेरठ, डा. गया प्रसाद व डॉ. एस. के. कश्यप शामिल रहें। संगोष्ठी के आयोजन सचिव व निदेशक विस्तार शिक्षा, डा. आरएस हुड्डा ने स्वागत व आइएसईई, के सचिव, डा. बीके सिंह ने धन्यवाद किया तथा अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय मे चल रहे कृषि शोध कार्यों व कृषि विस्तार संबधी परियोजनाओं पर प्रकाश डाला।

डिजिटल प्लेटफार्म से आसानी से जुड़ सकते हैं किसान : प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि विस्तार विशेषज्ञों के पास कृषि संबंधी डाटा का बहुत बड़ा भंडार उपलब्ध है जिसे विभिन्न डिजिटल तकनीक के माध्यम से किसानों तक सुलभ व सुगम तरीके से पहुंचाया जाना अहम कदम होगा। वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश की गई तकनीकों से फसलोत्पादन की अधिक पैदावार ली जा सकती है जबकि किसानों द्वारा औसत पैदावार कम ली जा रही है जिसका मुख्य कारण सिफारिश की गई तकनीकों का सही तरीके से न अपनाना है। उन्होंने कृषि विस्तार विशेषज्ञों का आह्वान करते हुए कहा कि लैब में किए गए शोध को सही तरीके से किसानों तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है तथा इसके लिए कृषि के तकनीकी ज्ञान को सूचना एवं प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल प्लेटफार्म का अधिक से अधिक इस्तेमाल करके किसानों तक सरल तरीके से पहुंचाया जाए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 21:11:2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 4-5

टैक्नोलॉजी से एक सप्ताह पहले पता चलेगा, कब आएगा तूफान

किसानों को फसल उगाने से लेकर फसल बेचने तक का करना होगा मैनेजमैंट : डा. सदामते

हिसार, 20 नवम्बर (ब्यूरो): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को सोशियो डिजीटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय सैमीनार का आयोजन हुआ।

सैमीनार में आए हुए कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि देश के सभी किसानों को विस्तारपूर्वक डिजीटल टैक्नोलॉजी से जोड़ा जाएगा। देशभर के कृषि विशेषज्ञ ऐसी डिवाइस तैयार कर रहे हैं, जिनके उपयोग से किसानों को एक सप्ताह पहले ही पता चल जाएगा कि तूफान, बारिश आदि कब आएगी। डा. वी.वी सदामते ने डिजीटल टैक्नोलॉजी के महत्व के बारे में बताया कि वर्तमान में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के नए प्लेटफार्म विकसित हुए है जिसमें जी.आई.एस., रिमोट सैंसिंग, एक्सपर्ट सिस्टम, नॉलेज पोर्टल्स, ई-मार्कीटिंग पोर्टल्स आदि मुख्य हैं।

इससे सूचना प्रसार और संदेशों को किसानों की नई पीढ़ी तक पहुंचाने से कृषि क्षेत्रों में एक क्रांति पैदा की है। वर्तमान में किसान विभिन्न फसल प्रणाली आधारित एप्स से जुड़कर अपने मोबाइल फोन पर अपनी कृषि संबंधी एवं कृषि उत्पाद के विपणन संबंधी समस्याओं का समाधान ले सकते हैं व अपने जोखिम को घटाने के साथ-साथ अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

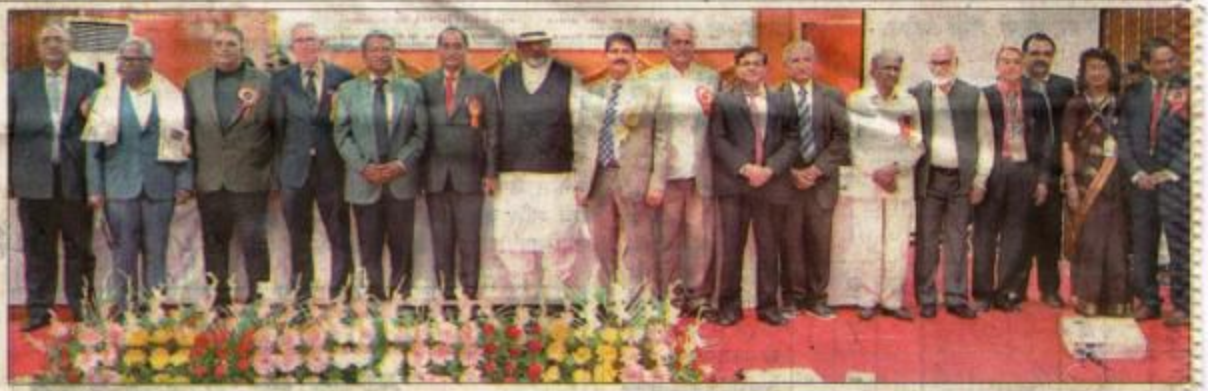

यह बोले कुलपति

हकृवि के कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि विस्तार विशेषज्ञों के पास कृषि संबंधी डाटा का बहुत बड़ा भंडार उपलब्ध है जिसे विभिन्न डिजीटल तकनीक के माध्यम से किसानों तक सुलभ व सुगम तरीके से पहुंचाया जाना अहम कदम होगा। वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश की गई तकनीकों से फसलोत्पादन की अधिक पैदावार ली जा सकती है जबकि किसानों द्वारा औसत पैदावार कम ली जा रही है जिसका मुख्य कारण सिफारिश की गई तकनीकों का सही तरीके से न अपनाना है।

सैमीनार के अध्यक्ष, डा. यू.एस. गौतम ने बताया कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 कृषि विस्तार विशेषज्ञ, कृषि वैज्ञानिक व शोध छात्र बारह थीम पर मंथन करेंगे।

इनको किया सम्मानित

कृषि विस्तार क्षेत्र में काम करने वाले देश के श्रेष्ठ कृषि वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया जिनमें पूर्व सलाहकार, जी.ओ.आई., डा. ओ.एस. वर्मा, पूर्व सलाहकार कृषि योजना कमीशन डा. वी.वी. सदामाते, पूर्व निदेशक अटारी लुधियाना, डा. प्रभु कुमार निदेशक अटारी पटना एवं कोषाध्यक्ष आई.एस.ई.ई. डा. अंजनी कुमार उपप्रधान, आई.एस.ई.ई., डा.

हकृवि में आयोजित सैमीनार में मंच पर आयोजित कृषि व हकृवि में आयोजित सैमीनार में पहुंचे कृषि विशेषज्ञ।

के.एल. ढांगी, पूर्व कुलपति, एस.बी.पी.यू.ए.टी., मेरठ, डा. गया प्रसाद व डा. एस.के. कश्यप शामिल रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम भास्कर न्यूज़
दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-8

एचएयू में तीन दिवसीय आईएसईई नेशनल सेमिनार • देश के 23 राज्यों के एक्सपर्ट तैयार कर रहे आधुनिक डिवाइस, कृषि विस्तार पर दिया जाएगा बल

एक सप्ताह पहले किसान जान पाएंगे वातावरण में होने वाला बदलाव

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोशियो डिजिटल एपरोचेज फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर बुधवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। यह संगोष्ठी भारतीय विस्तार शिक्षा समिति, नई दिल्ली, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा के संयुक्त तत्वावधान में एचएयू के प्रांगण में हुई है। न्यूजीलैंड के मैसी विवि के प्रो. क्रेग मैकगिल समेत देश के 23 राज्यों के 500 कृषि विशेषज्ञों ने शिरकत की। इसमें कृषि विस्तार के 12 थीम पर मंथन किया जाएगा। इस सेमिनार में भारत के किसानों की मदद के लिए एक ऐसा सॉफ्टवेयर बनाने पर मंथन किया जाएगा जिससे किसानों को वातावरण में बदलाव की सब-डिविजन के अनुसार एक हफ्ते पहले ही पूर्ण जानकारी मिल जाएगी। जिससे वे फसल नष्ट होने से पहले ही इसे बचाने के तरीके निकाल पाएंगे। कृषि विस्तार के जरिये किसानों को इस तकनीक के लिए जागरूक किया जाएगा। किसानों की सबसे बड़ी समस्या जानकारी होते हुए भी इसका प्रयोग न कर पाना है। उन्हें इस बात का ज्ञान तो है कि जानकारी किस वेबसाइट पर उपलब्ध है परंतु उसे प्रयोग किस प्रकार करना है यह उन्हें नहीं पता चल पाता। इस समस्या को हल करने के लिए कृषि विस्तार के जरिये छोटे से छोटे क्षेत्र तक किसानों को जानकारी दी जाएगी।

एक्सटेंशन एग्रीकल्चर हिसार के फार्मर प्रेसिडेंट डॉ. ओएस वर्मा ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर विदेशों में भी प्रयोग किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा इस सॉफ्टवेयर को बनाकर हार्डवेयर कंपनी को दे दिया जाएगा, ताकि डिवाइस का निर्माण किया जा सके। इसे भारत में किसानों को कम लागत पर मुहैया करवाए जाने पर काम किया जाएगा। इसका अनुमानन मूल्य 90 हजार रुपये है जिसे 9 हजार रुपये में किसानों तक पहुंचाया जा सके। यह डिवाइस गांव के किसी एक प्रगतिशील किसान को दिया जाएगा जिससे सभी को मदद मिल सकेगी।

सेमिनार में इस बात पर भी विचार किया जाएगा कि किसान किस प्रकार कृषि, वातारण व बाजार को व्यवस्थित कर मुनाफा कमा सकते है व उत्पादन से किस प्रकार एक ब्रांड बनाया जा सकता है। साथ ही इस पर भी मंथन किया जाएगा कि किसानों को कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन व उत्पादन की जानकारी किस प्रकार दी जाए। किसानों से संपर्क बनाने के नए व आधुनिक तकनीक खोज कर उनकी कृषि में मदद की जाएगी।

एचएयू में आयोजित कार्यशाला में संबोधित करते वैज्ञानिक।

एक्सपर्ट्स इन पर करेंगे मंथन

- डिजिटल रणनीति और सतत कृषि विकास के लिए दृष्टिकोण।
- विस्तार अनुसंधान और नीति में नवाचार
- कृषक समुदाय की क्षमता निर्माण में प्रगति
- सीबीओ के माध्यम से ग्रामीण समुदाय का सशक्तीकरण।
- माध्यमिक कृषि के लिए डिजिटल दृष्टिकोण
- प्रौद्योगिकी मूल्यांकन और प्रसार के लिए स्मार्ट दृष्टिकोण।
- आर्थिक समृद्धि के लिए अभिसरण मॉडल।
- कृषि में उद्यमिता विकास के लिए रणनीतियां
- जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए तकनीकी हस्तक्षेप।
- ग्रामीण समुदायों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए पहल
- डिजिटल मार्केटिंग में चुनौतियां और अवसर
- कृषि से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए तंत्र।

मुनाफे की खेती के लिए वातावरण व मंडी में समन्वय जरूरी : डॉ. वीवी सदामते

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि योजना कमीशन के पूर्व सलाहकार डॉ. वीवी सदामते ने बताया कि किसानों को खेती, वातावरण व मंडी के बीच समन्वय बनाना जरूरी है। तभी वह अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। जानकारी के अभाव के कारण वे इसे नहीं समझ पाते जिससे उन्हें नुकसान सहना पड़ता है।

पैदावार से मुनाफा किस प्रकार कमाया जा सकता है उन्हें इस तकनीक के बारे में जागरूक किस प्रकार किया जा सके, इस पर विचार किया जा रहा है। कृषि विस्तार के जरिए एक सर्वे किया जाए कि किसानों को किस मुद्दे पर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इससे उन तक जानकारी पहुंचाने में आसानी होगी। उन्होंने पराली प्रबंधन और समाधान पर जोर दिया। वे यहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोशियो डिजिटल एप्रोचिज फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडियन एग्रीकल्चर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने आए थे। खास बातचीत में कृषि विस्तार विशेषज्ञ डॉ. सदामते ने कहा कि किसानों को यह समझाना जरूरी है कि वे खेती को खेती न समझ कर व्यवसाय समझें। इससे वे उत्पादन से खुद का प्रोडक्ट बना अपना ब्रांड बाजार में ला सकेंगे।

किसानों को केवल कृषि पर आश्रित न होकर पशुपालन, मत्स्यपालन, बागवानी जैसे व्यवसाय को भी करना चाहिए। इससे न केवल उनकी आमदनी बढ़ेगी बल्कि दूसरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कृषि संशोधन व कृषि विस्तार के बीच समन्वय होना जरूरी है ताकि दोनों मिलकर किसानों तक डिजिटल तकनीक से कम समय में कृषि की जानकारी दे सकें। किसानों में आईसीटी तकनीक को बढ़ावा देने पर भी जोर देना चाहिए, क्योंकि आने वाला समय इंफॉर्मेशन व तकनीक व संपर्क का है। भविष्य में जिसके पास जिसके पास ये तीनों होंगी वही व्यक्ति सफल हो सकेगा।

पराली प्रबंधन के सुझाए के तीन तरीके

उन्होंने पराली की समस्या पर समाधान करने के भी तरीके बताए। पहला तरीका यांत्रिक तकनीक है। एक ऐसा यंत्र बनाने का सुझाव दिया जाएगा जिससे पराली को सतह तक काट दिया जाए। जिससे यह पूरी तरह मिट्टी में मिलाई जा सके। दूसरा तरीका पराली, बाजरा, गेहूं को मिलाकर पशुओं के लिए चारा बनाने का तरीका है। इससे अतिरिक्त पराली का प्रयोग भी हो जाएगा व पशुओं को बेहतर चारा भी मिल पाएगा। पराली को डिकंपोज करना भी एक अन्य तरीका है। खेत में पराली जलाने की बजाए कुछ ऐसे माइक्रोब्स खेत में छोड़े जाए जो पराली को खेत में ही खत्म कर उसे खाद में तबदील कर दे। इससे यूरिया का प्रयोग भी कम किया जा सकेगा।

कृषि की जानकारी होते हुए भी इस्तेमाल न कर पाना बड़ी समस्या: डॉ. ओएस वर्मा

जीओआई के पूर्व सलाहकार डॉ. ओएस वर्मा ने बताया कि इस समय देश के किसानों को सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि किसानों के पास कृषि की जानकारी होते हुए भी वे इसे सही ढंग से इस्तेमाल नहीं कर पाते है। इसका मुख्य कारण इंफॉर्मेशन, संचार व तकनीकी शिक्षा का अभाव है। जब तक कृषि विस्तार के विशेषज्ञ किसानों को जागरूक नहीं करेंगे तब तक उन्हें खेती की सही तकनीक की जानकारी भी नहीं हो सकती। छोटे से छोटे स्तर पर किसानों से मिलकर उन्हें नई तकनीकों के बारे में बताया जाएगा। अब तक किसान पारंपरिक तकनीकों पर ही निर्भर रहे है। उन्हें विदेशों में खेती करने की तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी, ताकि वे फसल को खराब होने से बचा सकें। कृषि में नई तकनीकों का प्रयोग होना आवश्यक है, ताकि किसानों को खेती में होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। किसानों के पास पर्याप्त धन न होने के कारण वे नई तकनीकों को नहीं अपना पाते। इसे सस्ते मूल्यों पर उन्हें किस प्रकार मुहैया करवाया जा सकता है इस पर शोध की जा रही है।

कृषि संबंधित शोध को सही साइट से इस्तेमाल करना जरूरी : केपी सिंह

प्रो. केपी सिंह ने डिजिटल टेक्नोलॉजी की महत्ता के बारे में कहा कि वर्तमान में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के नए प्लेटफार्म विकसित हुए है। इससे सभी डिजिटल स्तर पर अपने शोध कार्यों को शेयर करते है। इससे डाटा का बड़े स्तर पर चोरी होने का खतरा बना रहता है। शोधार्थी व विशेषज्ञों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इसे सही व विश्वसनीय साइट पर ही प्रयोग किया जाए। कृषि विस्तार विशेषज्ञों के पास डाटा की भरमार है। इसलिए इसकी चोरी होने की संभावना भी अधिक होती है। जीआईएस, रिमोट सेंसिंग, एक्सपर्ट सिस्टम, नॉलेज पोर्टल्स, ई-मार्केटिंग पोर्टल्स जानकारी प्राप्त करने के मुख्य स्रोत है। इससे संदेशों को किसानों की नई पीढ़ी तक पहुंचाना सरल हो गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........
दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-6

सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर संगोष्ठी

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी से कृषि क्षेत्र में क्रांति आई : प्रो. सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

वर्तमान में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के नए प्लेटफार्म विकसित हुए है जिसमें जीआईएस,

- हकृवि में तीन दिवसीय संगोष्ठी में देश के 23 राज्यों के 500 से अधिक प्रतिभागी ले रहे हिस्सा

रिमोट सेंसिंग, एक्सपर्ट सिस्टम, नॉलेज पोर्टल्स, ई-मार्केटिंग पोर्टल्स आदि मुख्य हैं। इससे सूचना प्रसार और संदेशों को किसानों की नई पीढ़ी तक पहुचाने से कृषि क्षेत्रों में एक क्रांति पैदा की है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विवि में सोशियो डिजिटल एपरोचीज फॉर ट्रांसफोरमिंग इंडियन एग्रीकल्चर पर बुधवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर कही।

यह संगोष्ठी भारतीय विस्तार शिक्षा समिति, नई दिल्ली, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा (उत्तर प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविधालय, बांदा (उत्तर प्रदेश) के कुलपति एवं नई दिल्ली भारतीय विस्तार शिक्षा समिति के अध्यक्ष, डॉ. यूएस गौतम ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 500 कृषि विस्तार विशेषज्ञ, कृषि वैज्ञानिक, व शोध छात्र बारह थीम पर मन्थन करेंगे।

हिसार। सम्मानित वैज्ञानिकों के साथ हकृवि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

मोबाइल एप्स में किसान के लिए फायदेमंद

प्रो. सिंह ने कहा कि वर्तमान में किसान विभिन्न फसल प्रणाली आधारित एप्स से जुड़कर अपने मोबाइल फोन पर अपनी कृषि संबंधी एवं कृषि उत्पाद के विपणन संबंधी समस्याओं का समाधान ले सकते है व अपने जोखिम को घटाने के साथ-साथ अपनी आमदनी बढ़ा सकते है। प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि विस्तार विशेषज्ञों के पास कृषि सम्बधी डाटा का बहुत बड़ा भंडार उपलब्ध है जिसे विभिन्न डिजिटल तकनीक के माध्यम से किसानों तक सुलभ व सुगम तरीके से पहुचाया जाना अहम कदम होगा।

समारोह में इनका मिला सम्मान

इस समारोह मे कृषि विस्तार क्षेत्र में काम करने वाले देश के श्रेष्ठ कृषि वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया गया जिनमें पूर्व सलाहकार, जी.ओ.आई., डॉ. ओ.एस. वर्मा, पूर्व सलाहकार कृषि योजना कमीशन डॉ. वी.वी. सदामाटे, पूर्व निदेशक अटारी, लुधियाना, डॉ. प्रभु कुमार, निदेशक अटारी पटना एवं कोषाध्यक्ष आई.एस.ई.ई, डॉ. अंजनी कुमार, उप-प्रधान, आई.एस.ई.ई, डॉ. के.एल. ढांगी, पूर्व कुलपति, एसबीपीयुएटी, मेरठ, डॉ. गया प्रसाद व डॉ. एस.के. कश्यप शामिल रहें।

इस अवसर पर न्यूजीलैंड, के मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल, आई.एस.ई.ई, के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. जी. ईश्वरप्पा, आई.एस.ई.ई, के सचिव, डॉ. बी.के. सिंह, एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्व डी.डी.जी., डॉ. सी. प्रसाद, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, संगोष्ठी के आयोजन सचिव व निदेशक विस्तार शिक्षा, डॉ. आर.एस. हुड्डा उपस्थित थे।

बीज कृषि का आधार : प्रो. सिंह

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीज प्रोद्योगिकी में गुणवत्ता निर्धारण के लिए नवीन दृष्टिकोण विषय पर स्पार्क प्रोजेक्ट के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के सहयोग से 10 दिवसीय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में किया गया। प्रो. सिंह ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज गुणवत्ता प्रबंधन पर बल दिया। समारोह में बीज विभाग के दो छात्रों अनुराग एवं निर्मल सिंह को मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड से त्रिमासिक कोर्स पूर्ण करने पर मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विदेशी मेहमानों का अभिनंदन किया एवं बीज शोध के बारे में प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। यह कार्यक्रम मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. स्वेटला कंचस्वा, तथा हकृवि के डॉ. अक्षय भुक्कर एवं डॉ. वी.एस. मोर की देखरेख में करवाया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी.एस. सांगवान ने स्पार्क प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों तमिलनाडु, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, आईसीआरआइआईएसएटी, हैदराबाद एवं हकृवि में शिक्षा ग्रहण कर रहे विदेशी छात्रों ने भाग लिया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला....

दिनांक 20.11.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-5

हिसार. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, इंडियन सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन दिल्ली व बांदा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टैक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय आईएसईई नेशनल सेमीनार के पहले दिन उपस्थित लोग। इस सेमीनार में भारत में कृषि के क्षेत्र में सोश्यो व डिजीटल माध्यम से उल्लेखनीय बदलाव लाने पर वक्ता अपने विचार रखेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 2-6

देसी गाय व बकरी का दूध बेचेगी यूपी की बांदा यूनिवर्सिटी

चेतन सिंह • हिसार

- कानपुर और लखनऊ जैसे बड़े शहरों के सरकारी अस्पताल में पैकेजिंग के जरिए पहुंचाया जाएगा दूध
- डेंगू के सीजन में बकरी के दूध की आपूर्ति को पूरा करेगा विश्वविद्यालय
- कुलपति डा. यूएस गौतम ने केंद्र सरकार की कामधेनू योजना के लिए प्रस्ताव भेजा

देसी गाय का दूध अमृत के समान होता है। यह बात शोध में सामने आ चुकी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश ने एक अनूठी योजना बनाई है। इस योजना के तहत देसी गाय व बकरी के दूध को लखनऊ और कानपुर जैसे बड़े शहरों के सरकारी अस्पतालों में बेचा जाएगा। यही नहीं देसी गाय के गोबर से तैयार खाद और मूत्र को भी बेचा जाएगा। बकरी के दूध को डेंगू के सीजन में और नवजात बच्चों के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से पूरा प्रोजेक्ट तैयार करके केंद्र सरकार की कामधेनू योजना के तहत अप्रूवल के लिए भेजा गया है। केंद्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद इस योजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा। इस योजना की जानकारी बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. यूएस गौतम ने दी। डा. गौतम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में हो रही तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने आए हैं। यहां दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में डा. गौतम में आगामी योजना की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इससे किसानों आमदनी दोगुनी से भी अधिक की जा सकती है। इसके लिए किसानों की मदद ली जाएगी।

डा. यूएस गौतम। • जागरण

किसानों को फसल का उचित दाम मिले

डा. यूएस गौतम ने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से तभी समृद्ध बनाया जा सकता है जब उसकी फसल का उचित दाम उसे मिले। इसके लिए जरूरी है किसान डिजिटल प्लेटफार्म पर आए। अब तक सिर्फ यह बताया जाता है कि आपके गांव में पांच फीसद किसान अच्छी खेती कर रहे हैं मगर इस सोच को बदलना होगा। पांच नहीं 95 फीसद किसान अच्छी खेती करें, यह बात सामने लानी होगी और इस पर काम करना होगा। किसानों के साथ-साथ उनकी आने वाली पीढ़ियां को बेहतर बनाना भी जरूरी है। इसके लिए जरूरी है 17 वर्ष की उम्र में किसान का बेटा खेती के प्रति जागरूक हो ताकि जब वह 30 साल की उम्र में आए वह किसानी में निपुण हो जाए।

विश्वविद्यालय से 10 लाख किसान ऑनलाइन जुड़े

कुलपति ने बताया कि उनके विश्वविद्यालय से 10 लाख किसान ऑनलाइन जुड़े हुए हैं। वह सप्ताह में दो बार एडवाइजरी जारी करते हैं। इससे किसानों को फसल के जोखिम का पता लगाकर किसान नुकसान से बच सकें। उन्होंने बताया कि किसान मोबाइल से ही खराब फसल फोटो खींचकर भेजते हैं और विशेषज्ञ फोटो देखकर यह बता देते हैं कि इसका उपचार क्या होगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं 18 कॉलम 4-6

विशेषज्ञों ने बीज गुणवत्ता प्रबंधन पर दिया बल

मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह अधिकारियों एवं विद्यार्थियों के साथ। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीज प्रौद्योगिकी में गुणवत्ता निर्धारण के लिए नवीन दृष्टिकोण विषय पर स्पार्क प्रोजेक्ट के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के सहयोग से 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

प्रो. सिंह ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज गुणवत्ता प्रबंधन पर बल दिया। समारोह में बीज विभाग के दो छात्रों अनुराग एवं निर्मल सिंह को मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड से त्रिमासिक कोर्स पूर्ण करने पर मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने विदेशी मेहमानों का अभिनंदन किया एवं बीज शोध के बारे में प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। यह कार्यक्रम मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डा. सवेटला कंचएवा और हकृवि के डा. अक्षय भुक्कर एवं डा. वीएस मोर की देखरेख में करवाया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डा. वीपीएस सांगवान ने स्पार्क प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और अतिथियों का धन्यवाद किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 1-2

एचएयू में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला शुरू

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बीज प्रौद्योगिकी में गुणवत्ता निर्धारण के लिए नवीन दृष्टिकोण विषय पर स्पार्क प्रोजेक्ट के तहत मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के सहयोग से 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में किया गया। प्रो. सिंह ने बीज को कृषि का आधार बताते हुए बीज गुणवत्ता प्रबंधन पर बल दिया। समारोह में बीज विभाग के दो छात्रों अनुराग एवं निर्मल सिंह को मैसी विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड से त्रैमासिक कोर्स पूर्ण करने पर मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विदेशी मेहमानों का अभिनंदन किया एवं बीज शोध के बारे में प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। यह कार्यक्रम मैसी विश्वविद्यालय के प्रो. क्रेग मैकगिल एवं डॉ. सवेटला कंचएवा, तथा हकृवि के डॉ. अक्षय भुक्कर एवं डॉ. वीएस मोर की देखरेख में करवाया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी.एस. सांगवान ने स्पार्क प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 2-3

एचएयू में अंतर-महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में हिसार कृषि महाविद्यालय ने कौल कृषि महाविद्यालय को हराया

हिसार | एचएयू में अंतर-महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय, हिसार ने कृषि महाविद्यालय, कौल को 78-32 के अंतर से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। चरण सिंह, प्रदीप पूनिया व अंकित गोयल ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जाट महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह सारण मुख्य अतिथि रहे।। प्रतियोगिता की अध्यक्षता छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने की। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में खेल आयोजक श्री निर्मल सिंह व डॉ. दलजीत रहे। इस अवसर पर सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. सुशील लेगा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. सुंदर पाल मोर, श्री रमेश चौधरी, इंदु चौधरी, श्री ओमप्रकाश भादू के अलावा कृषि महाविद्यालय के समन्वयक डॉ. गुलिया तथा कृषि महाविद्यालय, कौल की ओर से डॉ. अश्वनी, डॉ. मनजिंद्र सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

एग्रीकल्चर कॉलेज बना चैंपियन

कबड्डी की विजेता टीम के साथ अधिकारी व आयोजक। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में एग्रीकल्चर कॉलेज हिसार की टीम चैंपियन बनी है।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबला में एग्रीकल्चर कॉलेज हिसार ने एग्रीकल्चर कॉलेज कौल को 78-32 के अंतर से हराया। इस अवसर पर जाट महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह सारण मुख्य अतिथि थे। प्रतियोगिता की अध्यक्षता छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने की। इस अवसर पर सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. सुशील लेगा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. सुंदर पाल मोर आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक खेल आयोजक निर्मल सिंह व डॉ. दलजीत सिंह रहे। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में चरण सिंह, प्रदीप पूनिया व अंकित गोयत ने सराहनीय प्रदर्शन किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी, दैनिक जागरण

दिनांक 21.11.2019 पृष्ठ सं. 4, 17 कॉलम 4-5, 1-2

कृषि महाविद्यालय ने जीता कबड्डी मैच

विजेता टीम के साथ मुख्यातिथि व अधिकारी।

हिसार (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, हिसार ने कृषि महाविद्यालय, कौल को 78-32 के अंतर से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। जाट महाविद्यालय के प्राचार्य डा. बलवीर सिंह मुख्यातिथि थे। प्रतियोगिता की अध्यक्षता छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने की।

कबड्डी में एचएयू ने कौल यूनिवर्सिटी को हराया

विजेता टीम के साथ मुख्यअतिथि व अधिकारीगण। • एचएयू पीआरओ

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, हिसार ने कृषि महाविद्यालय, कौल को 78-32 के अंतर से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर जाट महाविद्यालय के प्रचार्य डा. बलवीर सिंह सहारण मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने की। इस अवसर पर सहनिदेशक छात्र कल्याण डा. सुशील लेगा, डा. किशोर कुमार आदि मौजूद रहे। (जागस)

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक...20.11.2019....... पृष्ठ सं......3......... कॉलम.....7-8.....

हकृवि में अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता

हिसार/20 नवंबर/रिपोर्टर

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि, उपनिदेशक खेल गंगादत्त यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। प्रतियोगिता का पहला मैच कॉलेज ऑफ होर्टिकल्चर व कृषि महाविद्यालय के बीच हुआ जिसे युगविन्द्र तथा विपुल के शानदार खेल की बदौलत कृषि महाविद्यालय ने 2-0 से जीत लिया। दूसरा मैच इंजिनियरिंग कालेज तथा पशु विज्ञान महाविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें पशु विज्ञान महाविद्यालय की टीम 2-0 से विजेता घोषित हुई। डॉ. देवेन्द्र दहिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विजेताओं को बधाई दी व विद्यार्थियों को हर संभव सुविधाएं दिलाने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. सुशील लेगा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. सुंदर पाल मोर, निर्मल सिंह, रमेश चौधरी, दलजीत सिंह, इन्दु चौधरी, ओमप्रकाश भादु आदि उपस्थित थे ।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 20.11.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1-4

हकृवि में अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे जबकि प्रतियोगिता में उपनिदेशक खेल, गंगादत्त यादव विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। प्रतियोगिता का पहला मैच कालेज ऑफ होर्टिकल्चर व कृषि महाविद्यालय के बीच हुआ जिसे युगविन्द्र तथा विपुल के शानदार खेल की बदौलत कृषि महाविद्यालय ने 2-0 से जीत लिया। दूसरा मैच इंजिनियरिंग कालेज तथा पशु विज्ञान महाविद्यालय के बीच खेला गया जिसमें पशु विज्ञान महाविद्यालय की टीम 2-0 से विजेता घोषित हुई।

डॉ. देवेन्द्र दहिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को हर संभव सुविधाएं दिलाने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. सुशील लेगा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. सुंदर पाल मोर, श्री निर्मल सिंह, श्री रमेश चौधरी, श्री दलजीत सिंह, इन्दु चौधरी, श्री ओमप्रकाश भादु उपस्थित थे ।